नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 350
दि. 23.04.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बंगाल में बदलाव तय, डबल इंजन सरकार लाएगी विकासः सीएम योगी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के चकदहा में बुधवार को आयोजित जनसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की राजनीतिक दिशा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने नदिया की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल बदलाव के मुहाने पर खड़ा है।

योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी सरकार पर कानून-व्यवस्था, विकास और सांस्कृतिक अस्मिता के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी बंकिम चंद्र घोष के पक्ष में वोट मांगते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार बनने पर राज्य में विकास और सुरक्षा को नई गति मिलेगी।

यूपी मॉडल का किया जिक्र

उन्होंने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां डबल इंजन सरकार के कारण बड़े पैमाने पर उद्योग आए हैं और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने दावा किया कि यूपी में 9 वर्षों में 17,000 से अधिक बड़े उद्योग स्थापित हुए और लाखों युवाओं को रोजगार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में अब परिवर्तन तय है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के 'खेला होबे' नारे पर तंज कसते हुए कहा, 'इस बार खेल खत्म और विकास शुरू होगा।' तन्य महाप्रभु की भूमि बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र वैष्णव परंपरा का प्रमुख केंद्र रहा है और यहां से भक्ति आंदोलन को नई दिशा मिली थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार सांस्कृतिक परंपराओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने भाषा और धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दों का भी जिक्र करते हुए कहा कि बंगाल की पहचान उसकी संस्कृति और परंपरा से है।

मुख्यमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, माफिया राज और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग बंद हो रहे हैं, युवा बेरोजगार हैं और किसानों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने रवींद्रनाथ टैगोर, अरविंद घोष और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल की यह धरती देश को सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान देने में अग्रणी रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। साथ ही किसानों और युवाओं की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई।

प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ धाम के उद्घाटन और चारधाम यात्रा के शुभारंभ की शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री ने आज उत्तराखंड देवभूमि में स्थित श्री केदारनाथ धाम के द्वार खुलने के पवित्र अवसर पर श्रद्धा व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा भी प्रारंभ हो गई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में यात्रा के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं को लिखे गए अपने पत्र के माध्यम से अपनी भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ उनके कुशल मंगल के लिए शुभकामनाएं देते हुए प्रार्थना की।इस अवसर के आध्यात्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि केदारनाथ धाम और चारधाम यात्रा भारत की अटूट आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का दिव्य उत्सव है।

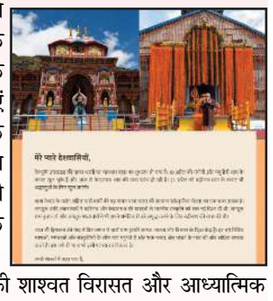

उन्होंने कहा कि इन तीर्थयात्राओं से देश की शाश्वत विरासत और आध्यात्मिक चेतना के दर्शन होते हैं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखाः "देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आज श्री केदारनाथ धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ हम सभी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। केदारनाथ धाम और चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं।

इस वर्ष चारधाम यात्रा के आरंभ उत्सव पर, उत्तराखंड आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए मैंने एक पत्र के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं।

मेरी कामना है कि बाबा केदार सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और आपकी यात्राओं को शुभ करें।

प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष आज ही के दिन पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीड़ितों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने इस दुख की घड़ी में उनके परिवारों के साथ खड़े रहने की राष्ट्र की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

श्री मोदी ने कहा कि भारत दुख की इस घड़ी में एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ उसका दृढ़ संकल्प अटूट है। उन्होंने दोहराया कि देश आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी

कामयाब नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखाः "पिछले वर्ष इसी दिन पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जो इस क्षति से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।"

एक राष्ट्र के रूप में, हम शोक और दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के घिनौने मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे।

लद्दाख में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन

(जीएनएस)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए इस प्रदर्शनी को वैश्विक शांति के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि भारत में पहली बार भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष, जो अपने मूल स्थान पर संरक्षित हैं, सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए लाए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी वैश्विक शांति और सद्भाव के संदेश को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अहिंसा, करुणा और आत्मजागरूकता पर भगवान बुद्ध की शिक्षाएं आज के अनिश्चितता और संघर्ष से भरे वैश्विक परिवेश में अत्यंत प्रासंगिक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बौद्ध विरासत के केंद्र के रूप में लद्दाख के महत्व पर बोलते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल आध्यात्मिक जुड़ाव का अवसर प्रदान करेगी बल्कि क्षेत्र में इससे सांस्कृतिक पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि पवित्र अवशेषों की ऐसी ही अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में विभिन्न देशों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत का सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव मजबूत हुआ है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से लद्दाख में 1 मई से 15 मई 2026 तक इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों, राजदूतों, प्रख्यात रिनपोचे, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों की भागीदारी की उम्मीद है।

15 दिवसीय कार्यक्रम में पवित्र अवशेषों का सार्वजनिक दर्शन, भव्य जुलूस, पारंपरिक समारोह और ध्यान सत्र, योग शिविर, स्वास्थ्य पहल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रदर्शनियां और हिमालयी बौद्ध धर्म पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जैसे कई समानांतर कार्यक्रम शामिल होंगे।

अधिक जानकारी के लिए कृपया https://tathagata.co.in/ पर जाएं।

प्रमुख स्थलों में महाबोधि अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र, धर्म केंद्र, लेह पैलेस और सीआईबीएस शामिल हैं। यह प्रदर्शनी 11 से 12 मई तक जांस्कर तक भी विस्तारित होगी, जिसके बाद 14 मई को लेह में इसका समापन समारोह होगा और 15 मई 2026 को पवित्र अवशेषों का प्रस्थान होगा।

इस कार्यक्रम में लद्दाख के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महानिदेशक श्री अभिजीत हल्दर और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम का समापन सभी हितधारकों के बीच इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहल के सफल प्रबंधन को सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिससे बौद्ध विरासत के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई।

अग्रणी महिलाएं बढ़ती नारी शक्ति का प्रतिबिंबः उपराष्ट्रपति

आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी विरासत से जुड़े रहें: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज कर्नाटक के कलबुर्गी में स्थित केंद्रीय कर्नाटक विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने स्नातक करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए इस बात पर बल दिया कि जीवन के एक नए चरण में कदम रखते हुए उन पर समाज और राष्ट्र के प्रति सार्थक योगदान देने का उत्तरदायित्व है।

उपराष्ट्रपति ने भारत की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत "विकसित भारत" की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक साझा राष्ट्रीय मिशन है जिसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने युवाओं से नवोन्मेषण करने, ईमानदारी से नेतृत्व करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने आत्मनिर्भर भारत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता घरेलू क्षमताओं का दोहन करने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए स्थानीय उद्यमों का समर्थन करने में निहित है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में युवा स्नातकों को लगातार अपने कौशल को उन्नत करना चाहिए और उभरती प्रौद्योगिकियों एवं अवसरों के अनुकूल बने रहना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देशभर के दीक्षांत समारोहों में पदक विजेताओं में महिलाओं की संख्या लगातार अधिक रहती है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक जीतने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में वॉटर एटीएम का किया उद्घाटन

राजधानी दिल्ली में स्वच्छ पेयजल की किल्लत को दूर करने की दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार, 22 अप्रैल को शालीमार बाग में

अत्याधुनिक 'वॉटर एटीएम' के एक नए सेट का उद्घाटन किया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों में सुरक्षित और किफायती पेयजल उपलब्ध कराना है, जहां हर दिन पाइपलाइन आपूर्ति अभी भी एक चुनौती बनी हुई है।

प्रवासियों से द्विपक्षीय संबंधों में योगदान बनाए रखने का आग्रह

रक्षा मंत्री ने जर्मनी में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से अपनी विरासत से जुड़े रहते हुए मजबूत द्विपक्षीय संबंधों में योगदान बनाए रखने का आग्रह किया

दोनों देशों के बीच भारतीय समुदाय सर्वाधिक सशक्त सेतु है

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 21 अप्रैल, 2026 को जर्मनी की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन बर्लिन में भारतीय समुदाय के साथ संवाद किया। उन्होंने लगभग 300,000 सक्षम भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा के साथ-साथ उन्हें दोनों देशों के बीच सबसे मजबूत सेतु बताते हुए कहा कि उनका योगदान व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विस्तारित है।

रक्षा मंत्री ने इस तथ्य को दोहराया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है। उन्होंने जर्मनी में मौजूद भारतीयों से वैश्विक स्तर पर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का आग्रह किया।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 2026 जर्मनी के साथ राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, जो विश्वास, आपसी सम्मान और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने भारतीय प्रवासियों से आग्रह किया कि वे अपनी विरासत से जुड़े रहते हुए भारत-जर्मनी साझेदारी को और मजबूत बनाने में अपना योगदान जारी रखें। उन्होंने विश्व के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले भारतीय प्रवासियों को सरकार के निरंतर समर्थन और सुरक्षा का आश्वासन देते हुए उनके प्रति देश की प्रतिबद्धता को दोहराया।

रक्षा मंत्री ने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति के बारे में चर्चा करते हुए बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप, अंतरिक्ष और डिजिटल नवाचार में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का उद्देश्य घरेलू क्षमताओं को मजबूत करना, विनिर्माण को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता को कम करना है।

आईएनएस निरीक्षक, इन-एसएलएन डाइवेक्स 2026 में भाग लेने के लिए श्रीलंका के कोलंबो पहुंचा

भारतीय नौसेना का गोताखोरी सहायता और पनडुब्बी बचाव पोत, आईएनएस निरीक्षक, 21 अप्रैल 2026 को श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर

पहुंचा, ताकि 21-27 अप्रैल 2026 तक निर्धारित द्विपक्षीय गोताखोरी अभ्यास, आईएन-एसएलएन डाइवएक्स 2026 के चौथे संस्करण में भाग ले सके।

इस संयुक्त अभ्यास में दोनों नौसेनाओं की गोताखोर टीमें अंतर-संचालनीयता, सामंजस्य और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष गोताखोरी अभियानों और प्रशिक्षणों में भाग लेंगी।

राजस्थान की धरती सदैव शौर्य पहचान रही है: लोक सभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष अजेय योद्धा लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए।

(जीएनएस)।

चूरू, लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला बुधवार को चूरू में अजेय योद्धा लेफ्टिनेंट जनरल स्व. सगत सिंह जी राठौड़ की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री भागीरथ चौधरी, वरिष्ठ नेता श्री राजेंद्र राठौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्री बिरला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह जी का जीवन साहस, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की प्रेरक मिसाल है। द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सेना के शौर्य से लेकर गोवा मुक्ति आंदोलन में तिरंगा फहराने तक उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। नाथुला बॉर्डर पर उनके साहसिक निर्णयों ने देश की सीमाओं को मजबूत किया, वहीं 1971 के युद्ध में ढाका में पाकिस्तान सेना के आत्मसमर्पण में उनकी भूमिका अहम रही, जिससे बांग्लादेश के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की यह धरती शौर्य और राष्ट्रभक्ति के लिए जानी जाती है। यहां का हर परिवार देश के प्रति समर्पण की भावना से जुड़ा है। यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करेगी।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि सगत सिंह जी की वीरता और उनका इतिहास देश का गौरव है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि साहस, दृढ़ संकल्प और समर्पण से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आ'न किया कि वे ऐसे महानायकों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

यूपी में सियासी हलचल के बीच दिल्ली आ रहीं मायावती

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया आज लखनऊ से दिल्ली की ओर रवाना हो गई है, उन्होंने कार्यकताओं को खास निर्देश दिए हैं. यूपी चुनाव के बीच उनके दौरे को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच और यूपी में मची सियासी हलचल के बीच बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती लखनऊ से दिल्ली रवाना हो गई है. बसपा सुप्रीमो ने खुद इसकी

कार्यकताओं को दे दिया मिशन-27 का ये काम

जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी है. इसके साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए हैं. मायावती के इस दिल्ली दौरे को लेकर प्रदेश में सियासी हलचलें तेज हो गईं हैं.

बसपा चीफ मायावती ने अपने पदाधिकारी व कार्यकर्तागण, आज मैं पार्टी के कार्यों से दिल्ली जा रही हूँ और कार्य पूरा होते ही जल्दी वापिस भी आ जाऊंगी.

इस दौरान पार्टी की पिछले महीने दिनांक 31 मार्च सन् 2026 को लखनऊ में हुई यूपी प्रदेश-दिल्ली जाने की जानकारी एक्स पर देते एक बड़ी पोस्ट की है. उन्होंने लिखा- 'उत्तर प्रदेश स्टेट के बसपा के सभी जिला अध्यक्ष एवं छोटे-बड़े स्तरीय बड़ी बैठक में पार्टी संगठन को तैयार करने व कैडर आदि के जरिये पार्टी का जनाधार बढ़ाने एवं आर्थिक मजबूती देने तथा यूपी विधानसभा आम चुनाव की तैयारी से सम्बन्धित जो भी जरुरी दिशा-निर्देश दिये गये थे, उस पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से अमल करते रहना है. साथ ही, बैठकों में यूपी में बसपा के नेतृत्व में रही सरकार में प्रदेश के विकास व जनहित आदि में किये गये कार्यों के बारे में जरूर बताना है. +

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

लखनऊः निशाने पर थीं हिंदू छात्राएं... केजीएमयू से पकड़े गए 12वीं पास 'डॉक्टर' हस्साम अहमद पर सनसनीखेज खुलासा

ऐसे लड़कियों को अपने जाल में था फंसाता

(जीएनएस)।

लखनऊ के प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में एक सनसनीखेज जालसाजी सामने आई है. खुद को डॉक्टर बताने वाला 12वीं पास हस्साम अहमद हिंदू छात्राओं को निशाना बना रहा था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और इस मामले में लव जिहाद के एंगल से भी जांच की जा रही है.

लखनऊ के KGMU प्रशासन और पुलिस ने मिलकर हस्साम अहमद नामक एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है, जो मेडिकल यूनिवर्सिटी की हिंदू छात्राओं को धर्मांतरण रैकेट का शिकार बना रहा था. आरोपी ने खुद को डॉक्टर बताकर 'कार्डियो सेवा संस्थान ट्रस्ट' बनाया और 50 से अधिक छात्राओं को दिल्ली एम्स (AIIMS) की कॉन्फ्रेंस में ले जाने के फर्जी लेटर थमा दिए.

वह फर्जी लेटर पैड और सोशल मीडिया के जरिए छात्राओं को मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में मेडिकल कैंप लगाने के बहाने ले जाता था. केजीएमयू के डीन डॉ. केके सिंह की सक्रियता के कारण 20 अप्रैल को इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ और आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया.

'आज तक' के पास मौजूद एक्सक्लूसिव दस्तावेजों से KGMU के फर्जी डॉक्टर हस्साम का बड़ा खेल

उजागर हुआ है. आरोपी खुद को "भारतीय गौरव प्रतिभा सम्मान" से सम्मानित बताकर डॉक्टरों का भरोसा जीतता था. उसने प्रॉक्टर डॉ. केके सिंह के फर्जी दस्तखत वाले कागजात और फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए डॉक्टरों, खासकर मुस्लिम महिला डॉक्टरों का नेटवर्क बनाने की कोशिश की. इन्हीं जाली दस्तावेजों से वह कॉन्फ्रेंस के नाम पर डॉक्टरों को प्रभावित करता था.

KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के मुताबिक, इस जालसाजी के तार धर्मांतरण और लड़कियों के शोषण से जुड़े हो सकते हैं. यह रैकेट केजीएमयू की छात्राओं को निशाना बनाकर उन्हें मुस्लिम बहुल इलाकों में 'मेडिकल कैंप' के नाम पर ले जाता था. 19 अप्रैल को डॉ. केके सिंह ने खुद एक कैंप की पड़ताल की, जहां करीब 10 केजीएमयू छात्राएं मिलीं. जांच में सामने आया कि हस्साम ने छात्राओं को दिल्ली एम्स में फर्जी कॉन्फ्रेंस का झांसा दिया था. एम्स से संपर्क करने पर पता चला कि ऐसी कोई कॉन्फ्रेंस प्रस्तावित ही नहीं है.

हस्साम के पास से केजीएमयू प्रशासन के अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर वाले दस्तावेज और 'कार्डियो सेवा संस्थान' नामक फर्जी ट्रस्ट के पेपर मिले हैं. इस संस्था का फाउंडर फईक अहमद मंसूरी है, जो केजीएमयू का ही छात्र है और अब शक के घेरे में है. हस्साम इस संस्था का को-फाउंडर था। फिलहाल, केजीएमयू प्रशासन और पुलिस इस 'लव जिहाद' और धर्मांतरण के एंगल की गहराई से जांच कर रहे हैं.

फर्जी लेटर और कॉन्फ्रेंस का झांसा

हस्साम अहमद ने जालसाजी के लिए बाकायदा एक नेटवर्क तैयार किया था. उसने हिंदू पैरामेडिकल स्टाफ और छात्राओं को ईमेल और डाक के जरिए दिल्ली एम्स में होने वाली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का न्योता दिया. आरोपी ने छात्राओं को यकीन दिलाया कि उनका चयन इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए हुआ है. पूछताछ में सामने आया कि वह छात्राओं को प्रभावित करने के लिए केजीएमयू के प्रवक्ता की डीपी का इस्तेमाल करता था. आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सोशल मीडिया के जरिए छात्राओं से संपर्क कर उन्हें अपने जाल में फंसाता था.

अखिलेश यादव की मां पर टिप्पणी से भड़की सपा, लखनऊ मेयर के घर चप्पलों से पीटी नेमप्लेट

(जीएनएस)।

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मेयर सुषमा खर्कवाल के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किया. मेयर ने महिला आरक्षण बिल से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव की मां पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद सपा समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा. बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मेयर के सरकारी आवास पहुंचे और जोरदार नारेबाजी की. प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास के गेट पर लगी नेमप्लेट को चप्पलों से पीटा. इस

घटना के बाद लखनऊ का सियासी पारा चढ़ गया है और पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर मेयर को सोशल मीडिया के जरिए कड़ा जवाब दिया है.

क्या था मेयर का विवादित बयान?

मेयर सुषमा खर्कवाल ने एक कार्यक्रम में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा करते हुए अखिलेश यादव को निशाने पर लिया था. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अखिलेश यादव ने अपनी मां, बहन और बेटी का अपमान किया है.

इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव की दिवंगत मां का जिक्र करते हुए उन पर सीधी टिप्पणी कर दी. मेयर के इस निजी हमले को समाजवादी पार्टी ने बेहद गंभीरता से लिया और इसे महिला अस्मिता के खिलाफ बताते हुए विरोध शुरू कर दिया.

अखिलेश यादव ने पर दिया जवाब

इस पूरे मामले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर अपना दर्द और नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने लिखा, "राजनीतिक मजबूरी में मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला होकर दूसरी महिला का अपमान करना उचित नहीं है." अखिलेश के इस बयान के बाद कार्यकर्ताओं में आक्रोश और बढ़ गया. सपा का कहना है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन परिवार और दिवंगत लोगों को घसीटना किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है.

लखनऊ में खनन साझेदारी के नाम पर 1.26 करोड़ रुपये की ठगी

(जीएनएस)।

चौक इलाके में रहने वाले कंपनी निदेशक सुदेश मिश्रा से जालसाजों ने ठेका और बेरोजगारों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई। आरोप है कि जालसाजों ने मारुति सुजुकी के मानेसर हरियाणा स्थित प्लांट में 1500 सिक्योरिटी गार्ड की आपूर्ति का ठेका दिलाने का लालच दिया था। पर, रुपये लेने के बाद भी काम नहीं मिला। पीड़ित ने चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चौपटिया रोड निवासी सुदेश मिश्रा के मुताबिक वह भूतपूर्व सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज प्रा. लि. नामक कंपनी के निदेशक हैं, जो विभिन्न संस्थानों में मैनपावर सप्लाई का कार्य करती है। 22 मार्च 2026 को उनके मोबाइल पर रनधीर सिंह नाम के व्यक्ति ने काल कर खुद को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, मानेसर (हरियाणा) प्लांट का अधिकारी बताया। गार्ड की आपूर्ति का ठेका दिलाने का झांसा दिया। वेंडर कोड जारी कराने के नाम पर तीन लाख रुपये की मांग की।

जानकारी विश्वसनीय लगने पर सुदेश मिश्रा ने 23 मार्च को अपने और कंपनी के कर्मचारियों महेंद्र कुमार दीक्षित, हिमांशु दीक्षित और सूयार्शु साहू के खातों से कुल 2.99 लाख रुपये यूपीआइ के माध्यम से आरोपित द्वारा बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए।

रकम ट्रांसफर करने के बाद आरोपित का मोबाइल बंद हो गया। जिसके कारण ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद पीड़ितों ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

सभी चारों पीड़ितों ने अलग-अलग शिकायत संख्या के साथ आनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। साइबर सेल की जांच के बाद मामले में एफआइआर दर्ज करने का आदेश हुआ। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

श्री भूपेन्द्र यादव ने शेखा झील पक्षी अभयारण्य को भारत का 99वां रामसर स्थल घोषित किया; उत्तर प्रदेश में इन स्थलों संख्या बढ़कर 12 हुई

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित करने की घोषणा की, जिससे भारत में ऐसे अभयारण्यों की कुल संख्या 99 और राज्य में 12 हो गई है।

श्री भूपेंद्र यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा- 'उत्तर प्रदेश ने देशभर के इस आंकड़े को 99 तक ले जाने का श्रेय प्राप्त कर लिया है! शेखा झील पक्षी अभयारण्य (अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) को रामसर स्थल घोषित करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।' उन्होंने कहा कि

इस घोषणा से स्थानीय आजीविका और वैश्विक जैव विविधता के साथ-साथ जल और जलवायु सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा और यह 'भारत की 99वीं वर्षगांठ' का प्रतीक है, जो हमें ऐतिहासिक शताब्दी के और निकट ले जाता है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा, 'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्विकसित करने अभियान के अंतर्गत आर्द्रभूमि और पशुओं, विशेष रूप से पक्षियों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को वैश्विक समुदाय से एक बार फिर सराहना मिली है।'

इस स्थल के पारिस्थितिक महत्व का उल्लेख करते हुए श्री यादव ने कहा कि शेखा झील मध्य एशियाई फ्लाईवे पर एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो सर्दियों के मौसम में हंस, पेंटेड स्टॉर्क और विभिन्न प्रकार की बत्तखों जैसे प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण पयार्वास प्रदान करती है। मंत्री महोदय ने लोगों को इस स्थल का भ्रमण करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

श्री सी.आर. पाटिल ने भारत के प्रमुख वैश्विक जल कार्यक्रम, नौवें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह का शुभारंभ किया

150 देशों को आमंत्रित किया गया; यह मंच जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम जल प्रबंधन और वैश्विक सहयोग पर संवाद को बढ़ावा देगा

(जीएनएस)।

जल शक्ति मंत्रालय 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में "जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन" विषय पर आधारित भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू-2026) के 9वें संस्करण का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने आज नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू -2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने आधिकारिक ब्रोशर जारी किया और आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू -2026 वेबसाइट पोर्टल को लाइव किया।

इस कार्यक्रम में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनर्जीवन विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के सचिव श्री वीएल कंथा राव; पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के सचिव श्री अशोक केके मीना; राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी के महानिदेशक श्री बालेश्वर ठाकुर; केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष श्री अनुपम प्रसाद; राष्ट्रीय जल मिशन की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक सुश्री अर्चना वर्मा और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मंत्री जी ने आगामी आयोजन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला और विश्वास व्यक्त किया कि आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू -2026 जल प्रबंधन में ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए विश्व भर के विशेषज्ञों, योजनाकारों,

नवोन्मेषकों और हितधारकों को एक साथ लाएगा।

मीडिया से बातचीत के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सतत जल संरक्षण प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सितंबर 2024 में जल संचय जन भागीदारी के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के आ'ान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत 60 लाख से अधिक कृत्रिम जल पुनर्भरण और जल संरक्षण संरचनाएं बनाई जा चुकी हैं और विश्वास व्यक्त किया कि मई 2026 तक एक करोड़ संरचनाओं का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।

मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के निदेर्शों के अनुसार, एमजीएनआरईजीएस/वीबी जी आरएएम जी के तहत व्यय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, जो 65% से 30% तक है, जल संरक्षण गतिविधियों के लिए निर्धारित किया गया है।

सितंबर में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय सम्मेलन में द्विपक्षीय बैठकें और कई तरह के सत्र होंगे, जिनमें मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र, वैश्विक जल नेताओं का पूर्ण सत्र (जीडब्ल्यूएलपीएलएन), जल नेताओं का मंच (डब्ल्यूएलएफ), अभ्यासकर्ताओं का मंच (पीएफ), देश मंच, विषयगत मंच (टीएफ), युवा मंच (वाईएफ) और स्टार्टअप मंच शामिल हैं। विषयगत मंच में समावेशी और न्यायसंगत जल शासन, जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए सहयोग, जल सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी और समुदाय, जलवायु संबंधी जोखिमों में जल, जल अवसंरचना और आधुनिकीकरण के लिए अभिनव वित्तपोषण मॉडल, सतत जल संसाधन प्रबंधन और लोगों और ग्रह के लिए जल जैसे उप-विषयों को शामिल किया जाएगा। मंत्रालयों, विभागों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, युवा पेशेवरों, स्कूली बच्चों, गैर सरकारी संगठनों और सफलता की कहानियों से जुड़े विशेष सत्र और कार्यक्रम सम्मेलन की समावेशिता को और बढ़ाएंगे।

इस कार्यक्रम में जल क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर 49 सत्र आयोजित किए जाएंगे। लगभग 150 देशों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिनमें से 11 देशों के भागीदार देशों के रूप में शामिल होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, सभी 84 केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों/विभागों और 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें से लगभग छह केंद्रीय मंत्रालय और 16 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के इस कार्यक्रम में भागीदार बनने की संभावना है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम स्थित हॉल नंबर 14 जीएफ में चार दिनों तक चलने वाली अत्याधुनिक प्रदर्शनी व्यापारिक अवसरों के लिए एक मंच प्रदान करेगी और प्रतिभागियों को संभावित साझेदारों और ग्राहकों से जुड़ने में सक्षम बनाएगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन फील्ड विजिट भी शामिल होंगी।

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय डब्ल्यूएएसएच सम्मेलन-2026 का आयोजन भी 22 से 24 सितंबर 2026 तक द्वितीय विश्व युद्ध-2026 के हिस्से के रूप में किया जाएगा, जिसमें जल, स्वच्छता और हाइजीन (डब्ल्यूएएसएच) में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के लिए विशेषज्ञ, शोधकर्ता और अभ्यासकर्ता एक साथ आएंगे।

मंत्रालय ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विदेशी देशों, साझेदार देशों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों, उद्योगों, प्रदर्शकों और जल क्षेत्र में काम करने वाले सभी हितधारकों से भागीदारी आमंत्रित की है।

आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू-2026 की वेबसाइट (https://www.i»»fdiawaterweek.in/) अब चालू हो गई है और प्रतिनिधियों के पंजीकरण के लिए खुली है।

पीएमआईएस के पात्रता मानदंडों का का हुआ विस्तार, मिला छात्रों लाभ

एमसीए ने प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना (पीएमआईएस) के पात्रता मानदंडों का विस्तार करते हुए अंतिम वर्ष के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को भी शामिल किया

18 से 25 वर्ष की आयु के अंतिम वर्ष के छात्र अब पीएमआईएस पोर्टल के माध्यम से शीर्ष कंपनियों में सशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं

पीएमआईएस में किए गए संशोधन भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के छात्र रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ाने और शिक्षा से कार्य में सुगम संक्रमण सुनिश्चित करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हैं

(जीएनएस)।

युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्योग के लिए उनकी तत्परता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना (पीएमआईएस) के पायलट चरण के लिए पात्रता मानदंड का विस्तार किया है, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्रों को भी शामिल किया गया है। इससे छात्रों को देश की शीर्ष कंपनियों में संरचित प्रशिक्षण के अवसर शीघ्र प्राप्त होने की उम्मीद है, जिससे वे अपनी औपचारिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही उद्योग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। यह निर्णय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के परामर्श से लिया गया है।

नए बदलाव

स्नातक और स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के छात्र अब पीएमआईएस के तहत आवेदन करने के पात्र हैं। आवेदकों को योजना के तहत मौजूदा पात्रता मानदंडों को पूरा करना जारी रखना होगा।

आवेदन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को अपने संबंधित शिक्षण संस्थानों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जमा करना अनिवार्य है।

एनओसी को यह पुष्टि करनी होगी कि प्रशिक्षण में भाग लेने से शैक्षणिक आवश्यकताओं में कोई बाधा नहीं आएगी।

अधिकृत हस्ताक्षरकताओं में विभागाध्यक्ष, डीन, प्रधानाचार्य या प्रशिक्षण एवं नियुक्ति अधिकारी शामिल हैं।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) उच्च शिक्षा के मूल घटक के रूप में प्रशिक्षण, उद्योग के साथ जुड़ाव और व्यावहारिक अनुभव सहित प्रायोगिक शिक्षा पर विशेष बल देती है। छात्रों को नामांकित रहते हुए ही संरचित, सशुल्क प्रशिक्षण में भाग लेने में सक्षम बनाकर, पीएमआईएस वास्तविक दुनिया के अनुभव को शैक्षणिक यात्रा में समाहित करके इस उद्देश्य को आगे बढ़ाता है। यह छात्रों की रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ाने और शिक्षा से कार्य में सुगम संक्रमण सुनिश्चित करने के एनईपी के लक्ष्य का समर्थन करता है।

पेशेवर परिवेश से प्रारंभिक परिचय छात्रों को समस्या-समाधान, संचार, टीम वर्क और अनुकूलनशीलता जैसी महत्वपूर्ण कार्यस्थल दक्षताओं को विकसित करने में मदद करता है, जो आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में सफलता के लिए आवश्यक हैं। छात्रों को अध्ययनरत रहते हुए प्रशिक्षण में भाग लेने में सक्षम बनाकर, पीएमआईएस का उद्देश्य अकादमिक शिक्षा और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच के अंतर को कम करना, स्नातक होने के समय नौकरी के लिए उनकी तत्परता को बढ़ाना और व्यावसायिक परिवेश, कॉर्पोरेट प्रक्रियाओं और पेशेवर संस्कृति का वास्तविक अनुभव प्रदान करना है।

प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना (पीएमआईएस) के बारे में

प्रधानमंत्री प्रशिक्षण योजना भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर के युवाओं को संरचित और सशुल्क प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है।

इस योजना के अंतर्गत:

प्रशिक्षु को प्रति माह कम से कम 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। देश में शीर्ष कंपनियों में विभिन्न क्षेत्रों में सशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध हैं। पीएमआईएस के पायलट चरण में 300 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया है और विभिन्न भूमिकाओं और क्षेत्रों में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए हैं। वर्तमान में, पायलट चरण का तीसरा दौर चल रहा है, जिसमें कंपनियां लगातार पद स्थापन प्रशिक्षण के अवसर पोस्ट कर रही हैं।

लखनऊः कल्याण सिंह कैंसर अस्पताल के एक और डॉक्टर का इस्तीफ, पांच साल में 28 डॉक्टरों ने छोड़ा संस्थान

(जीएनएस)।

लखनऊ। कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान को एक बार फिर झटका लगा है। संस्थान में न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग की डॉ. सोनम सुमन ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, संस्थान छोड़ने का स्पष्ट कारण इस्तीफे में नहीं लिखा है।

अधिकारियों का कहना है कि सुपर स्पेशियालिटी संस्थान होने के बावजूद तनख्वाह स्टेट मेडिकल कॉलेज की दी जा रही है। जबकि संस्थान में कुछ डॉक्टरों को डऋव, ढऋक के समान वेतन दिया जा रहा है। महिला डॉक्टर के इस्तीफे से न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में पेट सीटी समेत दूसरी मशीनों के संचालन को झटका लगा है।कैंसर संस्थान की डढऊ में प्रतिदिन 400 मरीज आ रहे हैं। लगभग 300 बेड हैं। ज्यादातर

बेड हमेशा भरे रहते हैं। इमरजेंसी में प्रतिदिन 40 से 50 मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। वेतन विसंगति समेत दूसरी बदइंतजामी की वजह से गुजरे पांच साल में 28 विशेषज्ञ डॉक्टर नौकरी छोड़कर जा चुके हैं। 60 से अधिक नर्सिंग स्टाफ और करीब एक दर्जन से ज्यादा टेक्नीशियन और कर्मचारी कैंसर संस्थान को अलविदा कह चुके हैं।

लखनऊ में खनन साझेदारी के नाम पर 1.26 करोड़ रुपये की ठगी, कई पर मुकदमा दर्ज

(जीएनएस)।

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में खनन कारोबार में साझेदारी के नाम पर 1.26 करोड़ रुपये की ठगी का मामला दर्ज किया गया है। .थाने में आगरा के सिकतरा शमसाबाद स्थित फर्म के मालिक अमित सिंह ने खनन कारोबार में साझेदारी का झांसा देकर 1.26 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

आगरा की न्यू वेदिका कन्स्ट्रक्शन फर्म के मालिक अमित सिंह ने बताया कि खनन कारोबारी देवेन्द्र सिंह व उसके साथियों ने बांदा जिले में बालू-मौरंग खनन का टेंडर दिखाकर उनसे रकम ली थी।

पीड़ित के मुताबिक, 29 जनवरी 2025 को सुशांत गोल्फ सिटी के एक माल के रेस्टोरेंट में रविन्द्र सिंह शेखावत, जफर खान, संजय गौतम रोहित यादव आदि ने देवेन्द्र सिंह का प्रतिनिधि बनकर ग्राम सादी मदनपुर में अलग-अलग गाटा संख्या की जमीनों पर 25,775 घनमीटर खनन का टेंडर दिखाया।

डीएम बांदा के कथित सहमति पत्र के आधार पर 50 प्रतिशत साझेदारी का वादा किया। बातों में आकर उन्होंने 1.26 करोड़ रुपये दे दिए। इकरारनामे में सिर्फ 25 प्रतिशत हिस्सा ही लिखा गया और एक गाटा संख्या 848 को शामिल नहीं किया। जांच में पता चला कि खनन का पट्टा पहले ही निरस्त हो चुका है।

गाटा संख्या 848 ग्राम समाज की जमीन पर थी। ठगी का राजफाश होने पर पीड़ित ने रकम वापस मांगी तो उन्हें धमकी दी गई। उन्होंने आगरा के पुलिस कमिश्नर से भी मामले की शिकायत की थी।

इसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी थाने में राजस्थान के माछीगांव करौली निवासी रविंद्र शेखावत, राजाजीपुरम निवासी देकेंद्र सिंह, हमीरपुर के कदौरा निवासी जफर खान, बांदा की स्वराज कालोनी निवासी संजय गौतम, रान्या एन्ड सिंह कंपनी का काकोरी निवासी मैनेजर रोहित यादव और अंसार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

आश्वासन ही लोकतंत्र में उम्मीद के आधार

पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दार्जिलिंग के लोगों को विश्वास दिलाया कि यदि उनकी पार्टी की सरकार पश्चिम बंगाल में बनी तो वह गोरखाओं की समस्या को हल करने के लिए इस पहाड़ी क्षेत्र का समाधान मात्र 6 महीने के अंदर ही कर देंगे।

दरअसल पश्चिम बंगाल के इस पर्वतीय क्षेत्र में ज्यादा नेपाली मूल के गोरखा रहते हैं और राज्य सरकारें उनके हितों के प्रति संवेदनशील नहीं रहीं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी गोरखाओं की भावनाओं को महसूस किया था और उन्होंने पूरी कोशिश की थी कि दार्जिलिंग को पश्चिम बंगाल सरकार स्वायत्त क्षेत्र घोषित करे। किन्तु तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने दो टूक कह दिया था कि उनकी सरकार ऐसा कुछ नहीं करेगी जिससे की पश्चिम बंगाल के विखण्डन का संदेश जाए। विवश होकर तत्कालीन केंद्र सरकार ने एक स्वायत्त बोर्ड तो बना दिया किन्तु राज्य सरकारें चाहे वह वामपंथी रही हों या फिर ममता बनजा की तृणमूल दोनों ही गोरखा समस्या में केंद्र के दखल से भड़कते हैं। सच तो यह है कि केंद्र सरकार राज्य सरकार की इच्छाओं पर निर्भर नहीं है। वह चाहे तो खुद ही कुछ बड़ा पैसला कर सकता है। इसलिए केंद्र सरकार ने चुनाव के पहले ही तीन बार दार्जिलिंग के गोरखा संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ वातार्कार नियुक्त कर दिया था। मुख्यमंत्री ममता बनजा इस बात को अच्छी तरह जानती थी कि विधानसभा चुनाव में भाजपा गोरखाओं के दार्जिलिंग मुद्दे पर राजनीति जरूर करेगी इसलिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तीन बार बैठक बुलाने के बावजूद राज्य सरकार ने कोई सकारात्मक रुख नहीं अपनाया।

गृह मंत्रालय ने भी राज्य सरकार के टालू रवैए से परेशान होकर पश्चिम बंगाल के अधिकारियों तथा गोरखा संगठनों से बातचीत करके एक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने वार्ता शुरू भी कर दी है।

सच तो यह है कि दार्जिलिंग में लोग राज्य सरकार से ज्यादा केंद्र सरकार को अपना हितैषी मानती है। यही कारण है कि पहले वे लोग कांग्रेस को वोट देते थे और जब से भाजपा सत्तारूढ़ हुई है, वे इसके साथ गए हैं। यही कारण है कि पहले वामपंथी संगठन और राज्य सरकार गोरखा समुदाय को केंद्र और कांग्रेस का समर्थक मानकर उनकी उपेक्षा करती थी और आज भी टीएमसी संगठन और पश्चिम बंगाल सरकार इसलिए गोरखा समस्या का समाधान करने में रूचि नहीं लेती क्योंकि वह समझती है कि गोरखा भाजपा को ही वोट देंगे।

बहरहाल लोकतंत्र में इस तरह की समस्याओं का राष्ट्रीय अखण्डता को ध्यान में रखकर समाधान खोजने में केंद्र और राज्य दोनों को रूचि लेना चाहिए। वोटों के लालच में ही सही यदि भाजपा गोरखों के प्रति संवेदनशील होने का प्रदर्शन करते है तो ऐसा प्रदर्शन वोटों के लिए टीएमसी को भी करना चाहिए। दार्जिलिंग की समस्या का समाधान समय रहते निकाल लेना ही समझदारी है। इसलिए जिस भी आशय से गृहमंत्री अमित शाह ने गोरखाओं को आश्वासन दिया, निति तौर पर इसका आने वाले दिनों में असर दिखने लगेगा। इस तरह के आश्वासन ही लोकतंत्र में उम्मीद के आधार होते हैं इसलिए आंदोलित समुदाय को जब भी कहीं से कोई आश्वासन मिलता है तो वह उस समाज और राष्ट्र के लिए सुखद ही होता है।

भारत-जर्मनी रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और सुदृढ़ करने के उपायों पर चर्चा

भारत और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रशिक्षण में सहयोग हेतु रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप एवं कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए

आतंकवाद के सभी प्रारूपों और अभिव्यक्तियों की बिना किसी अपवाद या औचित्य के स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए: श्री राजनाथ सिंह

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल, 2026 को बर्लिन में जर्मनी के रक्षा मंत्री श्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, जिसका उद्देश्य यूरोपीय राष्ट्र के साथ रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करना था। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। विशेष रूप से रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों यानी कि विशेषकर उन्नत एवं विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही, दोनों मंत्रियों ने सैन्य सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस बैठक के दौरान भारत व जर्मनी के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप तथा संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा प्रशिक्षण में सहयोग के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए गए और उनका आदान-प्रदान किया गया। रक्षा मंत्री ने जर्मनी की अपनी यात्रा को गहरी मित्रता, तालमेल और विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विशेषकर बोरिस पिस्टोरियस के जर्मनी के रक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद, रक्षा सहयोग में इस साझेदारी को काफी गति मिली है।

श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि हाल ही में हुए भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी समझौते ने सामूहिक सहयोग को और गहरा करने

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह समझौता भारत और यूरोपीय देशों के बीच रणनीतिक तालमेल को नई दिशा प्रदान करेगा। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय स्थिरता को सुदृढ़ करने, संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाने तथा भारत-जर्मनी के दीर्घकालिक रणनीतिक गठबंधन को और मजबूत करने हेतु इस ढांचे का द्विपक्षीय एवं व्यापक यूरोपीय संदर्भ में प्रभावी उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत व जर्मनी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बेहद जरूरी स्थिरता और मजबूती प्रदान की है। आतंकवाद के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इसके सभी प्रारूपों और अभिव्यक्तियों की बिना किसी अपवाद या औचित्य के निंदा की जानी चाहिए।

जर्मन रक्षा मंत्री ने सेवा स्तरीय कार्मिक वार्ता और भविष्य के द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों के संस्थागतकरण की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस वर्ष सितंबर/अक्टूबर में भारत में आयोजित होने वाले पूर्व तरंग शक्ति अभ्यास के अगले संस्करण में जर्मन वायु सेना की भागीदारी के लिए उत्सुक है। बैठक से पहले, श्री राजनाथ सिंह के जर्मन रक्षा मंत्रालय पहुंचने पर उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इससे पहले, रक्षा मंत्री ने सम्मान के प्रतीक के रूप में बुंडेसवेहर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह स्मारक उन सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

भारत और जर्मनी ने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जबकि वर्ष 2026 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। आज के समय में यह द्विपक्षीय संबंध एक व्यापक और बहुआयामी स्वरूप ले चुके हैं। रक्षा सहयोग के अलावा, इसमें व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, विकास सहयोग, हरित ऊर्जा, उच्च शिक्षा, सतत समाधान, संस्कृति तथा जन-से-जन संबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह साझेदारी न केवल अपनी गहराई और व्यापकता को दर्शाती है, बल्कि भविष्य में मौजूद अपार संभावनाओं एवं सहयोग के नए आयामों की ओर भी संकेत करती है।

यूएस-ईरान युद्ध को रुकवाना, पाकिस्तान क्यों हो रहा अत्यधिक जरूरी

(जीएनएस)।

अमेरिका-ईरान के युद्ध को दो महीने होने वाले हैं, जिसमें दो हफ्ते का सीजफायर और फिर उसे बढ़ाया जाना भी शामिल है। लेकिन परमानेंट समाधान के लिए इस्लामाबाद में हुई बातचीत बुरी तरह फेल रही। इसके बाद भी पाकिस्तान दोबारा अपने यहां मजमा सजाने की बाट जोह रहा है। लेकिन ऐसे में सवाल ये उठ रहा कि इसमें पाकिस्तान के लिए ऐसा क्या लालच है जिसकी वजह से वह दोनों देशों के पीछे पड़ा हुआ है?

इस पूरी मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका उसकी आंतरिक और क्षेत्रीय जरूरतों से जुड़ी हुई है। उसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव से काफी प्रभावित होती है, खासकर Strait of Hormuz से जुड़े मामलों में। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी तरह की रुकावट पाकिस्तान के इम्पोर्ट बिल, महंगाई और उसकी करेंसी के स्थिर बने रहने पर तुरंत असर डालती है। यही वजह है कि पाकिस्तान इस युद्ध को जल्दी खत्म करने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

PIDE की रिपोर्ट के मुताबिक, तेल की बढ़ती कीमतें आयात बिल बढ़ाती हैं, महंगाई को तेज करती हैं और रुपये पर दबाव डालती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां धीमी हो जाती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि लंबा संकट व्यापार और इन्वेस्टमेंट दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है।

3. उधारी और कर्जा मिलना जारी

पाकिस्तान को IMF के साथ चल रही डील को देखते हुए यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। बढ़ते ऊर्जा खर्च से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है और आर्थिक सुधारों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। इन परिस्थितियों को संभालने के लिए पाकिस्तान ने कई कदम उठाए हैं, जैसे सरकारी कर्मचारियों के काम के दिन कम करना और स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करना। ये कदम अपना तेल और बिजली बचाने के लिए शरीफ सरकार ने उठाए हैं। लेकिन इससे रोजमर्रा के जीवन पर असर पड़ रहा है इसलिए इसे लंबा नहीं टाला जा सकता।

4. सुरक्षा पर भी खतरा

ईरान के साथ लगभग 900 किलोमीटर लंबी सीमा होने के कारण पाकिस्तान को सुरक्षा जोखिम भी झेलने पड़ते हैं। खासकर बलूचिस्तान जैसे सीमावर्ती इलाके पहले से ही अस्थिर हैं और लंबे युद्ध से हालात और बिगड़ सकते हैं। साथ ही, पाकिस्तान में शिया समुदाय की आबादी 10% से 25% के बीच मानी जाती है। ईरान से जुड़े घटनाक्रम अक्सर देश के अंदर सांप्रदायिक तनाव को प्रभावित करते हैं। हालिया जंग में इससे जुड़े विरोध प्रदर्शन भी देखे गए हैं।

पाकिस्तान अमेरिका, चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ संबंध बनाए रखता है। इन देशों के हित कई बार आपस में टकराते हैं, जिससे पाकिस्तान के लिए संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उदाहरण के लिए पाकिस्तान को ईरान से संबंध में रखने हैं और दूसरे खाड़ी देशों से भी, ऐसे में अगर जंग होती है तो पाकिस्तान को किसी एक तरफ खड़ा होना पड़ेगा जो दूसरे से उसके संबंध खराब कर सकता है।

पाकिस्तान की विदेश नीति में नागरिक और आर्मी लीडरशिप दोनों की भूमिका होती है। जहां शरीफ कूटनीति संभाल रहे हैं, वहीं आसिम मुनीर अमेरिका के साथ बातचीत में अहम भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, आर्मी का पलड़ा हमेशा भारी रहता है। वहीं ये दोनों मिलकर अमेरिका की चरण-वंदना कर अपने नंबर बढ़ाने में लगे हैं। पिछले 10 साल में ये पहली बार है कि कोई अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान को इतनी तवज्जो दे रहा है।

हालांकि, पाकिस्तान को अक्सर आतंकवाद और आर्थिक अस्थिरता के लिए आलोचना झेलनी पड़ती है। 2022 में खड्डी इल्लिस ने इसे खतरनाक देशों में से एक बताया था। जबकि पाकिस्तान की ग्लोबल पहचान एक प्रो-टेररिस्ट कंट्री की है। इसलिए इसे कर्जा मिलने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लिहाजा पाकिस्तान अपनी इमेज को सुधार रहा है, वो भी बिना आतंकवाद को बंद किए।

पाकिस्तान को उम्मीद है कि इस मध्यस्थता से उसे आर्थिक फायदा मिलेगा, जैसे ज्यादा विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग। खासकर खनिज और डिजिटल फाइनेंस जैसे क्षेत्रों में नए मौके दिख रहे हैं। इस भूमिका से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को एक जिम्मेदार देश के रूप में पेश करने का मौका मिल रहा है। इससे उसकी वैश्विक छवि बेहतर हो सकती है।

हालांकि की ये सब बातें पाकिस्तान को कुछ समय तक की बढ़िया दिखा सकती हैं लेकिन आखिरी में उसे अपनी आतंकवाद की फैक्ट्री बंद करना होगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो उसके इमेज में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम की पिच रिपोर्ट

आईपीएल 2026 बुधवार को मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा।

दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का खुमार इन दिनों फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. इस मेगा टूर्नामेंट में सोमवार को एक और मजेदार मैच खेला जाएगा, जहां लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच टक्कर होगी. इस मुकाबले के लिए दोनों ही टीमें जीत की उम्मीद के साथ उतरेंगी.

लखनऊ के श्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए दोनों ही टीमें पूरे जोश के साथ खेलने के लिए उत्साहित हैं. ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपरजायंट्स ने पिछले कुछ मैचों की हार के बाद फिर से जीत की लय को हासिल करना चाहेगी, तो वहीं राजस्थान रॉयल्स भी अच्छे प्रदर्शन के बीच खो रही रिदम को प्राप्त करने के इरादे से उतरेगी.

आईपीएल के इतिहास में दोनों ही टीमों के बीच आपसी मुकाबला ज्यादा पुराना नहीं है. इन दोनों टीमों के बीच 2022 में पहली बार टक्कर देखने को मिली, इसके बाद से अब तक के सफर में 6 मैच खेले गए हैं, जिसमें 4 मैच राजस्थान रॉयल्स ने जीते हैं, तो वहीं 2 मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को जीत मिली है.

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपरजायंट्स बनाम राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन

इस आईपीएल सीजन में दोनों टीमों के प्रदर्शन की बात करें तो लखनऊ सुपरजायंट्स अपने 6 में से 2 मैच जीतकर अंक तालिका में 9वें

पायदान पर है, तो वहीं राजस्थान रॉयल्स कमाल के खेल के दम पर 6 में से 4 मैच जीतकर तीसरे स्थान पर बनी हुई है.

आईपीएल रविवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 22 अप्रैल को होने वाले इस मैच की शुरुआत शाम 7.30 बजे से होगी, मैच का टॉस 7 बजे किया जाएगा.

लखनऊ में स्थित एक विश्व स्तरीय क्रिकेट स्टेडियम भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन 2017 में हुआ था. 50,000 की क्षमता वाले इस स्टेडियम का निर्माण 2014 में अखिलेश यादव की सरकार में शुरू हुआ और इसका काम 3 साल में पूरा हो गया, 2018 में यहां पर पहला इंटरनेशनल मैच खेला गया. इस स्टेडियम को इकाना स्पोर्ट्स सिटी और एलडीए द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत बनाया गया था. शुरुआत में इसका नाम 'इकाना क्रिकेट स्टेडियम' था, लेकिन बाद में उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रख दिया.

इकाना स्टेडियम की बात करें तो यहां पर विकेट एक आइडियल क्रिकेटिंग विकेट माना जाता है. इस विकेट पर गेंद और बल्ले के साथ अच्छी टक्कर देखने को मिलती है. लखनऊ में अक्सर ही शुरुआत में तेज गेंदबाजों को और बाद में स्पिनर्स को भी मदद हुई है, ऐसे में यहां पर 180-190 का स्कोर भी फाइटिंग टोटल माना जा सकता है. आईपीएल 2026 में बुधवार को पहला मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच खेला जाएगा. 22 अप्रैल को लखनऊ में होने वाले इस मैच के मौसम की बात करें बारिश की कोई संभावना नहीं है, एक्युवेदर के अनुसार 42 डिग्री सेल्सियस अधिकतम और 25 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है. लखनऊ सुपरजायंट्स टीमः मिशेल मार्श, एडेन मार्करम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी

राजस्थान रॉयल्सः वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरन हेटमायर, रवींद्र जडेजा, डोनोवेन फरेरा, रवि बिश्नोई, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, संदीप शर्मा

आईपीएल 2026 के लिए स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर है. इस टूर्नामेंट के सभी मैच स्टार स्पोर्ट्स के अलग-अलग चैनल पर प्रसारित किए जाएंगे, बुधवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाला पहला मैच भी स्टार स्पोर्ट्स पर देखा जा सकता है. तो साथ ही लाइव स्ट्रीमिंग का मजा आप खड्डल्लों और Disney+ Hotstar ऐप/वेबसाइट पर ले सकते हैं.

लखनऊ सुपरजायंट्सः मिशेल मार्श, एडेन मार्करम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मोहम्मद शमी, आवेश खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, शाहबाज अहमद, मयंक यादव, हिम्मत सिंह, एनरिक नॉर्टजे, मोहसिन खान, अर्जुन तेंदुलकर, आकाश महाराज सिंह, अक्षत रघुवंशी, अर्शिन कुलकर्णी, नमन तिवारी, जॉर्ज लिंडे, जोश इंग्लिस

30 की उम्र में दिव्यांका सिरोही की मौत, क्या हुआ था एक्ट्रेस के साथ?

(जीएनएस)।

हरियाणवी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। खबर है कि एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही का महज 30 की उम्र में निधन हो गया है। जानकारी के अनुसार गत 21 अप्रैल 2026 (मंगलवार) देर रात उत्तर प्रदेश स्थित एक्ट्रेस के घर पर उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद परिवार वाले तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इंडस्ट्री में शोक की लहर, कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

दिव्यांका सिरोही के निधन की खबर फैलते ही हरियाणवी म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। कई कलाकारों और सह-साथियों ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। हालांकि इस दुखद घटना पर परिवार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

दिव्यांका सिरोही उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की रहने वाली थीं। उनका जन्म 19 नवंबर 1996 को हुआ था। वह गाजियाबाद में अपने परिवार के साथ रह रही थीं।

दिव्यांका सिरोही ने अपने करियर की शुरुआत टिकटॉक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से की थी। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग और डांस का काफी शौक था। एक वीडियो, जिसमें उन्होंने रब्ल्ल्ल्ल रैं के गाने मेरी मम्मी नू पसंद नयी तू पर परफॉर्म किया था, काफी वायरल हुआ और उसने लाखों व्यूज बटोरे थे। इसी के बाद वह तेजी से पॉपुलर होती चली गईं।

सोशल मीडिया पर मिली सफलता के बाद दिव्यांका सिरोही को हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला था। उन्होंने मासूम शर्मा (टरड्डड्ड रैं) के साथ कई म्यूजिक वीडियोज में काम किया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी। इंस्टाग्राम पर भी उनकी मजबूत फैन फॉलोइंग थी, जहां लाखों लोग उन्हें फॉलो करते थे।

दिव्यांका सिरोही का इस तरह अचानक दुनिया को अलविदा कह देना उनके परिवार, दोस्तों और फैंस के लिए किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। इतनी कम उम्र में उनका यूं चले जाना हर किसी को भावुक कर गया है। सोशल मीडिया पर उनके चाहने वाले लगातार उन्हें याद कर रहे हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

ट्रेनिंग के बाद गाल खींचने लगा लखनऊ सुपर जायंट्स का खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी ने कहा- मेरे कपड़े फट जाएंगे भाई

आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के अर्शिन कुलकर्णी और वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अर्शिन वैभव के गाल खींचते हुए नजर आ रहे हैं।

नई दिल्लीः आईपीएल 2026 के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आज राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें आमने-सामने होंगी। लेकिन इस मैदानी जंग से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। यह वीडियो राजस्थान के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी और

वैभव सूर्यवंशी के गाल अर्शिन कुलकर्णी ने खींचे

लखनऊ के अर्शिन कुलकर्णी का। भले ही वैभव मैदान पर बड़े-बड़े छक्कों से गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हों लेकिन इस वीडियो में वे बेहद क्यूट नजर आ रहे हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने आधिकारिक पेज पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें अर्शिन और वैभव के बीच मजेदार नोकझोंक दिख रही है। प्रैक्टिस सेशन के दौरान जब दोनों मिले तो अर्शिन ने वैभव को तंग करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। बातचीत खत्म होने के बाद जब दोनों अपने कैंप की ओर जाने लगे तो अर्शिन ने वैभव का गाल खींचने की कोशिश की। वैभव बचने के लिए भागे लेकिन अर्शिन ने उन्हें पकड़ लिया और खींचतान शुरू कर दी। इस मस्ती के बीच वैभव चिल्लाते नजर आए, 'अरे कपड़े फट जाएंगे भाई!'

धोनी-रोहित करेंगे धमाका, मुंबई की रफ्तार रोकना चाहेगी चेन्नई

(जीएनएस)।

23 अप्रैल की शाम जब मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स वानखेड़े स्टेडियम में आमने-सामने होंगी, तो यह मुकाबला केवल रोमांच के लिए नहीं, बल्कि प्लेऑफ की रेस में खुद को जीवित रखने के लिए होगा। मौजूदा अंक तालिका पर नजर डालें तो स्थिति काफी गंभीर है।

मुंबई इंडियंस (टक) 6 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ 7वें स्थान पर है, जबकि उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स (उरड) भी 6 मैचों में 2 जीत के साथ 8वें नंबर पर काबिज हैं। दोनों ही टीमों के 4-4 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट (+0.067) की वजह से मुंबई फिलहाल चेन्नई (-0.780) से एक पायदान ऊपर है।

इस मैच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि हारने वाली टीम के लिए टॉप-4 की राह बहुत कठिन हो जाएगी। मुंबई के लिए घर में खेलने का फायदा और उनका पॉजिटिव नेट रन रेट उन्हें मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है, लेकिन चेन्नई की टीम अपनी

रणनीति के लिए मशहूर है। वानखेड़े की पिच पर जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आती है, वहां दोनों टीमों के पावर-हिटर्स मैच का रुख बदल सकते हैं। इस मुकाबले में टॉस की भूमिका भी अहम होगी, क्योंकि ओस के कारण बाद में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मुंबई की परेशानी क्या

मुंबई इंडियंस की परेशानी मिडिल ऑर्डर की बैटिंग रही है, वहां हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव दोनों ही नहीं चल पा रहे हैं। हालांकि पिछले मुकाबले में शतक जड़कर तिलक वर्मा ने जरूर अपना जलवा दिखाया है। उनके ऊपर एक बार फिर से नजर रहने वाली है।

आयुष म्हात्रे का बाहर होना बड़ा झटका

चेन्नई सुपर किंग्स के इन फॉर्म खिलाड़ी आयुष म्हात्रे का बाहर हो जाना टीम के लिए बड़ा झटका है। हेमस्ट्रिंग में चोट की वजह से उनको बाहर होना पड़ा है। अहम बात यह है कि वह काफी धाकड़ फॉर्म में थे, इस सीजन दो फिफ्टी भी लगा चुके थे।

धोनी की होने वाली है वापसी?

लगातार कई मैचों में बाहर रहने के बाद महेंद्र सिंह धोनी वापसी कर सकते हैं, वह इस सीजन अपना पहला मैच खेलते हुए नजर आ सकते हैं। धोनी के आने से टीम को मानसिक रूप से मजबूती तो निश्चित रूप से मिलने वाली है। कुल मिलकर एक धांसू टक्कर देखने को मिलेगी, टॉस के समय स्थिति साफ होगी।

रोहित शर्मा खेल सकते हैं

मुंबई के तूफानी खिलाड़ी रोहित शर्मा वापस आ सकते हैं, वह पिछले दो मैचों में बाहर बैठे थे। हेमस्ट्रिंग की चोट ठीक होने पर वह अब वापस आएंगे, तो तबाही मचा सकते हैं।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मनाया जाएगा 'रश्मिरथी पर्व', साहित्य, विरासत और राष्ट्र चेतना का होगा संगम

(जीएनएस)।

लखनऊ। राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्य तिथि के अवसर पर उनकी कालजयी रचना रश्मिरथी के 75 वर्ष पूरा होने पर राजधानी लखनऊ में भव्य रश्मिरथी पर्व का आयोजन 24 से 26 अप्रैल, 2026 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय आयोजन के दौरान साहित्य, विरासत और राष्ट्र चेतना का अनूठा संगम दर्शकों को देखने को मिलेगा।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने आज मीडिया सेंटर लोकभवन में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान दी। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित थे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि इस रश्मिरथी के साथ-साथ स्वामी विवेकानन्द, बाल गंगाधर तिलक और भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व तथा काव्य पर आधारित नाट्य का मंचन एवं नृत्य नाटिकायें प्रस्तुत की जायेगी।

श्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राष्ट्र नायकों, लेखकों तथा साहित्यकारों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व से जोड़ना है। इसके साथ राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनको श्रद्धांजली भी देना है। लखनऊ में आयोजित आयोजन में जनपद मऊ निवासी तथा मुम्बई के प्रख्यात रंगकर्मी मुजीब खान के नेतृत्व में

नाटक का मंचन किया जायेगा। शिमला की प्रसिद्ध कत्थक कलाकार पूनम शर्मा के निर्देशन में अटल स्वरांजलि नामक संगीतमय नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जायेगी, जो अटल जी की प्रसिद्ध कविताओं पर आधारित होगी।

राष्ट्र कवि दिनकर की रचनाएं आजादी के दौरान भारतीयों के मन में जोश और स्वाभिमान का संचार करती थी, उनकी ओजस्वी वाणी ने देशवासियों को आजादी के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। स्वतंत्रता के बाद भी राज्यसभा सदस्य के रूप में अपनी सेवायें दी तथा अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। उनकी प्रमुख रचनाओं में रश्मिरथी, हुंकार, कुरूक्षेत्र, उर्वशी, परशुराम की प्रतिक्षा और संस्कृत के चार अध्याय आदि शामिल हैं।

यह आयोजन न केवल दिनकर जी की साहित्यिक विरासत को सम्मान देने का अवसर है, बल्कि नई पीढ़ी को उनके विचारों और मूल्यों से जोड़ने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि रश्मिरथी पर्व के जरिए समाज में राष्ट्र चेतना, स्वाभिमान और अपने सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता लाना है। इसके साथ ही विद्यालयों के बच्चों को भी जोड़ा जायेगा। नाटक के दौरान मीडिया बन्धुओं के लिए सीट आरक्षित की जायेगी। नाट्य मंचन के माध्यम से गांव देहात, विश्वविद्यालय के छात्रों तक राष्ट्र नायकों के बारे में संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा।

कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि राष्ट्र कवि दिनकर के व्यक्तित्व को नये सिरे से समझने की जरूरत है। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में भी कार्य किया। इसके साथ साहित्य साधना के माध्यम से देशवासियों में आजादी के लिए हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम की श्रृंखला में और भी महापुरूषों के जीवन पर मंचन होगा। इसके साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य श्री अमृत अभिजात ने आयोजन के महत्व एवं पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महापुरूषों के योगदान पर नृत्य नाटिकाओं का मंचन करने का आदेश दिया था। इसी कड़ी में राष्ट्र कवि दिनकर के जीवन एवं रचनाओं पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया।

डरावनी कहानी, नकली पहचान और असली लूट, लखनऊ में रिटायर्ड महिला डॉक्टर से डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी

(जीएनएस)।

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार को ही साइबर ठगी के मामलों में पढ़े-लिखे लोगों के शिकार होने पर चिंता जताई थी और मंगलवार को लखनऊ में वैसा ही एक केस सामने आया। साइबर जालसाजों ने एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) अधिकारी बनकर 75 वर्षीय सेवानिवृत्त महिला डॉक्टर को अपना शिकार बनाया।

सात दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखने के दौरान चार बैंक खातों से 1.55 करोड़ रुपये ट्रांसफर कराए। ठगी की जानकारी होने पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

ठीक इसी तरह अगस्त 2024 में पीजीआई की महिला डॉक्टर रुचिका टंडन को भी इसी तरह डिजिटल अरेस्ट कर रखकर 2.81 करोड़ रुपये ऐंठे थे, जिसमें सात से ज्यादा जालसाजों को जेल भेजा था।

यह है पूरा मामला

राणा प्रताप मार्ग स्थित शाहनजफ इमामबाड़ा कैंपस निवासी डॉ. जिया सुल्ताना प्रांतीय चिकित्सा सेवा (पीएमएस) से सेवानिवृत्त हैं। पति डॉ. साजिद रजा की काफी पहले मौत हो चुकी है। डॉ. जिया सुल्ताना के मुताबिक 11 अप्रैल को उनके मोबाइल पर कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को लखनऊ मुख्यालय से इंस्पेक्टर आकाश शर्मा बताया।

कहा कि उनका आधार नंबर किसी गैरकानूनी व आतंकवादी गतिविधि में प्रयोग हो रहा है। इसके बाद उन्हें महाराष्ट्र के एटीएस विभाग से 'एनआइसी प्रमाण पत्र' लेने की

बात कहकर डराया गया। पीड़िता के अनुसार, ठगों ने उन्हें किसी से भी संपर्क न करने की चेतावनी दी।

गोपनीयता का हवाला देकर उनके बैंक खातों की पूरी जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति, जिसने खुद को एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) अधिकारी बताया, लगातार फोन कर उन्हें धमकाता रहा और पैसे 'सुरक्षा जांच' के नाम पर बताए गए खातों में ट्रांसफर करने को कहा।

पांच दिन में चार बैंक खातों में ट्रांसफर कराई रकम

डॉ. जिया के मुताबिक, जालसाजों के झांसे में आकर वह डर गई। आरोपितों ने 13 से 17 अप्रैल के बीच चार अलग-अलग खातों में कुल 1.55 करोड़ रुपये आरटीजीएस के जरिये जमा करा लिए। यह रकम जांच के नाम पर खातों में ट्रांसफर कराए थे। जब पैसे वापस नहीं आए, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद पीड़िता ने आनलाइन शिकायत की।

साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। बैंक से संपर्क कर रकम फ्रीज करवाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही सर्विलांस की मदद से ट्रेस किया जा रहा है।

पहले भी हो चुके मामले

10 अप्रैल 2026: इस दौरान एक दंपती को ठगों ने वीडियो कॉल पर खुद को एटीएस व सीबीआइ अधिकारी बताकर 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा। आतंकवाद के मामले में फंसाने की धमकी देकर उनसे करीब 1.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए गए।

छह फरवरी 2026: नगर निगम के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का झांसा दिया। उन्हें कई घंटों तक कॉल पर रखकर डराया गया, लेकिन बैंक कर्मचारियों की सतर्कता से 35 लाख रुपये की ठगी होने से बच गई।

फरवरी 2026: सेवानिवृत्त इंजीनियर को करीब 43 दिनों तक मानसिक दबाव में रखकर डिजिटल अरेस्ट जैसा माहौल बनाया गया। इस दौरान ठगों ने उनसे लगभग 1.18 करोड़ रुपये ठग लिए।

अप्रैल 2026: एक महिला समाजसेविका को चार दिनों तक लगातार कॉल पर रखकर जांच का डर दिखाया गया और करीब आठ लाख रुपये की ठगी कर ली गई।

यह न करें:

डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज कानून में नहीं हैं, इसलिए डरने की जरूरत नहीं है।

अज्ञात ईमेल, मैसेज या व्हाट्सएप पर आए किसी भी लिंक पर क्लिक न करें।

कभी भी अपना ओटीपी, एटीएम कार्ड नंबर और सीवीवी साझा नहीं करें।

बैंक या सरकारी अधिकारी बनकर कॉल करने वालों से सावधान रहें। याद रखें, वे कभी आपसे गोपनीय जानकारी नहीं मांगते।

यदि कोई पुलिस, अधिकारी बनकर कॉल करता है तो डरें नहीं, कॉल काट दें और अपने परिचितों को बताएं।

अमेरिका क्यों छोड़ना चाहते हैं 10 में से 4 भारतीय, जानें किस तरह बदल रहे वहां के हालात?

अमेरिकी स्वप्न अब फीका पड़ रहा है. कानेगी एंडोमेंट के 2026 के सर्वे के मुताबिक, करीब 40% भारतीय-अमेरिकी देश छोड़ने पर विचार कर रहे हैं.

(जीएनएस)।

कभी जो अमेरिकन ड्रीम भारत के सबसे मेधावी दिमागों को अपनी ओर खींचता था, आज वही सपना लाखों भारतीयों के लिए एक अंतहीन संघर्ष और अनिश्चितता का पर्याय बन गया है. डॉलर की चमक और सिलिकॉन वैली की ऊंची इमारतों के पीछे अब एक कड़वी हकीकत छिपी है- जहां अमेरिका की कुल आबादी का महज 1.5% होने के बावजूद 6% टैक्स योगदान देने वाले भारतीय खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं. आखिर वह क्या कारण है कि 10 में से 4 भारतीय-अमेरिकी अब अपना घर-बार समेटकर इस देश से निकल जाना चाहते हैं?

2026 के सर्वे ने खोली पोल

फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच आए कानेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के आंकड़ों ने वैश्विक स्तर पर हड़कंप मचा दिया है. इस सर्वे में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि लगभग 40% भारतीय-अमेरिकी समुदाय अब अमेरिका छोड़ने के बारे में गंभीरता से सोच रहा है. जो समुदाय कल तक अमेरिका की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता था, वह आज एक गहरी अस्थिरता या टबुर्लेंस के दौर से गुजर रहा है. यह संख्या कोई मामूली बदलाव नहीं, बल्कि एक बड़े पलायन के संकेत हैं जो महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका की आधारभूत नीतियों पर सवाल खड़े कर रहे हैं.

राजनीतिक ध्रुवीकरण और घटता अपनापन

पलायन का विचार रखने वाले 58% लोगों ने सबसे बड़ी वजह खराब राजनीतिक माहौल को बताया है. डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में जिस तरह का ध्रुवीकरण हुआ है, उसने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के

मन में अपनेपन की भावना को कम कर दिया है. करीब 71% भारतीय-अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं. विश्लेषकों का मानना है कि 'अमेरिका सिर्फ अमेरिकियों के लिए है' जैसी नीतियों ने भारतीयों को यह संदेश दिया है कि वे भले ही कितना भी योगदान क्यों न दें, उन्हें हमेशा बाहरी माना जाएगा. इससे उनकी पहचान और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं.

डेमोक्रेट्स से मोहभंग और बढ़ती तटस्थता

राजनीतिक समीकरणों में भी बड़ा बदलाव आया है. पहले भारतीय समुदाय को डेमोक्रेटिक पार्टी का पक्का समर्थक माना जाता था, लेकिन 2020 के 52% समर्थन के मुकाबले अब यह आंकड़ा गिरकर 46% रह गया है. रिपब्लिकन पार्टी भी उन्हें अपनी ओर खींचने में नाकाम रही है. नतीजतन, लगभग 30% भारतीय अब निर्दलीय या इंडिपेंडेंट विचारधारा की ओर झुक रहे हैं. भारतीय समुदाय अब किसी पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा, बच्चों के भविष्य और आर्थिक स्थिरता के आधार पर अपने निर्णय ले रहा है.

ग्रीन कार्ड- एक लाइफ-सेंटेंस जैसा इंतजार

भारतीय-अमेरिकियों के मोहभंग की सबसे क्रूर सच्चाई इमिग्रेशन का टूटा हुआ सिस्टम है. यदि कोई भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर आज ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करता है, तो उसे 30 से 40 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है. वीजा बुलिटेन मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, एइ-2 और एइ-3 श्रेणियों में कट-ऑफ डेट अभी भी 2013-14 के आसपास अटकी हुई है. कुछ मामलों में यह इंतजार 70 साल तक का हो सकता है. यह स्थिति सिस्टम के स्ट्रक्चरल फेल्योर को दशार्ती है. जब तक ग्रीन कार्ड मिलता है, तब तक लोग रिटायर होने की उम्र तक पहुंच जाते हैं और बच्चे अपनी जड़ें कहीं और जमा चुके होते हैं.

महंगाई का बोझ और सुरक्षा की चिंताएं

अमेरिका अब सस्ता नहीं रहा. बच्चों की पढ़ाई, हेल्थकेयर और चाइल्ड केयर के खर्चों ने मध्यमवर्गीय भारतीयों की कमर तोड़ दी है. रिपोर्ट्स बताती हैं कि एक बच्चे को 18 साल तक पालने का औसत खर्च 2 करोड़ 50 लाख रुपये तक पहुंच गया है. सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क जैसे टेक हब में किराए के मकानों की कीमतें आसमान छू रही हैं. इसके अलावा, भेदभाव की चिंताएं भी कम नहीं हैं. भले ही बड़ी हिंसा कम हुई हो, लेकिन ऑफिसों और समाज में होने वाला बौद्धिक भेदभाव भारतीयों को अंदर से तोड़ रहा है. वे अब वहां खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते जैसा कि वे एक दशक पहले करते थे.

अमेरिका छोड़कर कहां जा रहे ये लोग?

सबसे दिलचस्प बात यह है कि जो लोग अमेरिका छोड़ना चाहते हैं, उनमें से सभी भारत नहीं लौट रहे हैं. वे अब कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और दुबई जैसे देशों की ओर देख रहे हैं. इन देशों में नागरिकता के नियम उदार हैं, टैक्स स्ट्रक्चर बेहतर है और जीवन जीने की लागत अमेरिका की तुलना में काफी कम है. यह उन देशों के लिए तो अवसर है, लेकिन अमेरिका के लिए यह एक बड़ी ब्रेन ड्रेन की चेतावनी है. अमेरिका का अट्रैक्शन अब धुंधला पड़ रहा है, और यदि उसने अपने इमिग्रेशन सिस्टम को नहीं सुधारा, तो वह अपने सबसे कुशल टैलेंट को खो देगा.

सिस्टम का स्ट्रक्चरल फेल्योर

यह समस्या अस्थायी नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक संरचनात्मक विफलता है. कॉलेजों में ल-1इ नियुक्तियों को सीमित करने के प्रयास और इमिग्रेशन कागजी कार्रवाई का डर परिवारों को टूली सेटल्ड महसूस नहीं होने देता है. अमेरिका की आर्थिक महाशक्ति होने का सपना अब निजी जीवन की गुणवत्ता के आगे फीका पड़ रहा है. आने वाले वर्षों में, यदि यह पलायन इसी गति से जारी रहा, तो न केवल अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ेगा, बल्कि यह वहां रहने वाले भारतीयों के लिए भी एक नए युग की शुरूआत होगी.

इंतजार की घड़ियां खत्म! यूपी बोर्ड रिजल्ट की तारीख और समय का ऐलान, कहां मिलेगी मार्कशीट?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) के 50 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं का लंबा इंतजार अब खत्म होने को है। बोर्ड कल यानी 23 अप्रैल 2026 को शाम 4 बजे हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) के नतीजों की आधिकारिक घोषणा करने जा रहा है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस बार भी दोनों कक्षाओं के परिणाम एक साथ जारी किए जाएंगे। परीक्षा में शामिल हुए छात्र लंबे समय से अपने भविष्य की नींव रखने वाले इन अंकों का बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे। पिछले कुछ हफ्तों से सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए बोर्ड ने अब समय और तिथि को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है।

आधिकारिक वेबसाइट्स पर देखें यूपी बोर्ड का स्कोर

रिजल्ट घोषित होते ही सर्वर पर लोड बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए बोर्ड ने छात्रों को सलाह दी है कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल का ही उपयोग करें। छात्र निम्नलिखित वेबसाइट्स पर अपना रोल नंबर और स्कूल कोड डालकर मार्कशीट चेक कर सकते हैं:

upmsp.edu.in

upresults.nic.in

results.upmsp.edu.in

इसके अलावा, छात्र DigiLocker और उमंग ऐप के माध्यम से भी अपनी डिजिटल मार्कशीट सुरक्षित देख और डाउनलोड कर सकते हैं।

UP Board रिजल्ट चेक करने की आसान प्रक्रिया

छात्रों की सुविधा के लिए बोर्ड ने स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया साझा की है:

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट upmsp.edu.in पर जाएं।

होमपेज पर उपलब्ध 'UP Board Class 10 Result 2026' या 'Class 12 Result 2026' के लिंक पर क्लिक करें।

अपना रोल नंबर और कैप्चा कोड दर्ज करें।

जानकारी सबमिट करते ही आपका स्कोरकार्ड स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा।

भविष्य के संदर्भ के लिए इसे डाउनलोड करें और प्रिंट आउट जरूर निकाल लें।

UP Board: रोल नंबर से रिजल्ट कैसे देखें

अगर वेबसाइट ज्यादा ट्रैफिक की वजह से नहीं खुल रही है, तो छात्र रटर के जरिए भी अपना यूपी बोर्ड 10वीं या 12वीं का रिजल्ट देख सकते हैं।

10वीं का रिजल्ट रटर से ऐसे देखें

अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाएं और टाइप करें:

UP10 आपका रोल नंबर;

उदाहरण: UP10 1234567

इसके बाद इस मैसेज को बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक नंबर पर भेजें।

12वीं का रिजल्ट रटर से ऐसे देखें

मैसेज बॉक्स में टाइप करें:

UP12 आपका रोल नंबर;

उदाहरण: UP12 7654321

फिर इसे तय नंबर पर भेज दें।

नोट: रिजल्ट रटर में आपके मोबाइल पर भेज दिया जाएगा। हालांकि, रटर नंबर बोर्ड की तरफ से रिजल्ट के दिन आधिकारिक रूप से जारी किया जाता है, इसलिए सही नंबर केवल आधिकारिक सूचना से ही देखें। छात्रों को किसी भी फर्जी नंबर या सोशल मीडिया पर वायरल मैसेज पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

UP Board Result Update: स्क्रूटनी और री-चेकिंग का विकल्प

रिजल्ट आने के बाद जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं होंगे, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। बोर्ड उन्हें स्क्रूटनी (पुनर्मूल्यांकन) या री-चेकिंग के लिए आवेदन करने का अवसर देगा। इसके लिए बोर्ड अलग से नोटिफिकेशन जारी कर समय सीमा और शुल्क की जानकारी साझा करेगा। फिलहाल जो मार्कशीट ऑनलाइन मिलेगी, वह प्रोविजनल होगी। मूल अंकतालिका छात्रों को कुछ समय बाद उनके संबंधित स्कूलों से ही प्राप्त होगी।

सख्त निगरानी में हुई थी परीक्षा

इस वर्ष यूपी बोर्ड की परीक्षाएं नकल विहीन संपन्न कराने के लिए अभूतपूर्व इंतजाम किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर वॉइस रिकॉर्डर वाले उउळश कैमरों के जरिए सीधी निगरानी रखी गई थी। करीब 55 लाख पंजीकृत छात्रों में से लाखों ने कड़ी मेहनत की है। पिछले साल के रुझान बताते हैं कि लड़कियों का पास प्रतिशत लड़कों की तुलना में बेहतर रहा था, ऐसे में इस बार के आंकड़ों और टॉपर लिस्ट पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं।

भारत ने पवन ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की

(जीएनएस)।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री प्र'ाद जोशी ने आज पवन ऊर्जा स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए) के स्थापना दिवस पर हुए समारोह के अवसर पर संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने पवन ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला और देश के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

श्री जोशी ने बताया कि भारत ने पवन ऊर्जा क्षमता में बढ़ोतरी के मामले में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसमें 2025-26 के दौरान ऐतिहासिक 6.1 गीगावॉट क्षमता जोड़ी गई है। पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भारत अभी दुनिया में चौथे स्थान पर है, जिसकी स्थापित क्षमता 56.1 गीगावॉट से ज्यादा है और 28 गीगावॉट की अतिरिक्त क्षमता पर काम जारी है।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर जोर देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि 150 मीटर की ऊंचाई पर भारत की पवन ऊर्जा क्षमता लगभग 1164 गीगावाट होने का अनुमान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर प्रयासों के साथ, देश 2030 तक 100 गीगावाट और 2036 तक 156 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता हासिल कर लेगा, जो 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मंत्री महोदय ने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत की ऊर्जा प्रणाली को स्थिर करने में पवन ऊर्जा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, विशेष रूप से शाम और रात के घंटों के दौरान जब उत्पादन अपने चरम पर होता है। यह वह समय होता है जब देश में बिजली की मांग सबसे अधिक होती है। उन्होंने बताया कि पवन ऊर्जा का लगभग 45% उत्पादन सबसे अधिक मांग के घंटों के दौरान होता है, जो इसे सौर ऊर्जा के लिए एक अनिवार्य और पूरक ऊर्जा स्रोत बनाता है।

नीतिगत उपायों पर प्रकाश डालते हुए, श्री जोशी ने कहा कि सरकार ने लगातार मांग सुनिश्चित करने के लिए 'नवीकरणीय खरीद दायित्वों' के तहत एक विशेष 'पवन ऊर्जा घटक' शुरू किया है। 'विलंबित भुगतान अधिभार' नियमों को लागू करने, पारदर्शी बोली दिशानिदेर्शों और 'मॉडल और निमार्ताओं की अनुमोदित सूची' (एएलएमएम) को लागू करने जैसे उपायों से निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने आगे यह भी बताया कि भारत ने एक सुदृढ़ घरेलू विनिर्माण इकोसिस्टम विकसित कर लिया है, जिसकी वार्षिक क्षमता 24 गीगावाट से अधिक है।

कृषि विकास को नई रफ्तार देने जा रहा हैं उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में कृषि विकास को नई रफ्तार देने जा रहा हैं उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन

लखनऊ में 24 अप्रैल को जुटेगा उत्तर भारत का कृषि नेतृत्व, किसान हित में बनेगी मजबूत कार्य योजना

खेती से बाजार तक समग्र सुधार पर फोकस, किसान समृद्धि के नए मॉडल पर मंथन- श्री शिवराज सिंह

क्रेडिट, बागवानी, दलहन, तिलहन और डिजिटल कृषि पर श्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में होगा बड़ा निर्णयात्मक संवाद

केंद्र-राज्य-वैज्ञानिक-एफपीओ सहित मंत्रीगण एक मंच पर, विकसित कृषि की दिशा में निर्णायक कदम

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 24 अप्रैल, शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित होने जा रहा उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन किसान-केंद्रित, परिणामोन्मुख और समन्वित कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में उत्तर भारत के राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों, एफपीओ, स्टार्टअप्स, केवीके, वित्तीय संस्थानों और खरीद एजेंसियों की भागीदारी के माध्यम से खेती, किसान आय, तकनीक, विपणन और कृषि अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आज कृषि भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा- निर्देश दिए।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को अधिक आधुनिक, समावेशी और किसानोन्मुख बनाने के उद्देश्य से उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का आयोजन 24 अप्रैल को लखनऊ में किया जा रहा है। यह सम्मेलन देशभर में आयोजित हो रही जोनल कॉन्फ्रेंस श्रृंखला का उत्तर क्षेत्र का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसके बाद दक्षिण, उत्तर-पूर्व, पूर्व और अंततः राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन भी आयोजित होना है। सम्मेलन में दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे उत्तर क्षेत्र के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की भागीदारी रहेगी। यह व्यापक भागीदारी इस बात का संकेत है कि केंद्र सरकार कृषि विकास को साझा जिम्मेदारी और साझा समाधान के मॉडल पर आगे बढ़ा रही है।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन, पौधारोपण, वंदे मातरम् तथा स्वागत सत्र से होगी, जिसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उद्घाटन सत्र में संबोधन देंगे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

लखनऊ में 55 वर्षीय शख्स ने अपनी ही राइफल से खुद को मारी गोली, पारिवारिक विवाद बताई जा रही वजह

(जीएनएस)।

लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित भपटामऊ गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है सरदार कप्तान सिंह ने अपने ही राइफल से बंद कमरे में गोली मार ली जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है.

यहां सरदार कप्तान सिंह जिनकी उम्र लगभग (55) वर्ष बताई जा रही है जिन्होंने बंद कमरे में अपनी ही राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली मौके पर राइफल पुलिस ने बरामद की. गोली की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे लहूलुहान हालत में देखा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है कि सरदार कप्तान सिंह घटना का कारण पारिवारिक विवाद प्रतीत हो रहा है तथापि पुलिस द्वारा अन्य सभी पहलुओं पर भी गहनता से जांच की जा रही सरदार कप्तान सिंह ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया.